UKG

# निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E4**

| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>*Time allowed: Three Hours* | अधिकतम अंक: 250<br>*Maximum Marks: 250* |
|---|---|

नाम (Name): Ratan Deep Gupta

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ____________

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): ____________

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): ____________

88

## प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

**(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)**

*प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।*

*प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।*

*प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।*

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

**(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)**

*The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.*

*Word limit, as specified, should be adhered to.*

*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

**खण्ड–A / SECTION –A**

1. यदि धन दूसरों की भलाई के लिये प्रयुक्त होता है तो इसका कोई मूल्य है, अगर नही, तो यह केवल बुराइयों का ढेर है तथा इससे जितनी जल्दी छुटकारा पाया जाए उतना बेहतर है।
   If money help a man to do good to others, it is of some value; but if not, it is simply a mass of evil, and the sooner it is got rid of, the better.
2. दोहरा तुलन पत्र संलक्षण।
   Twin Balance Sheet Syndrome.
3. जलवायु परिवर्तन: प्रत्येक कदम आगे की ओर नहीं है।
   Climate Change: Every step is not a forward step.
4. प्रतीक्षा न करें, समुचित समय कभी नहीं आएगा।
   Do not wait, the time will never be just right.

भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यदि क्रय क्षमता तुल्यता (पर्चेजिंग पावर पैरिटी) के आधार पर देखा जाये तो यह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वैश्विक आर्थिक मंदी से उबरने के दौर में भारत सम्पूर्ण वैश्विक आर्थिक इंजन के लिए आशा की किरण बना रहा है।

किन्तु इन वैश्विक प्रभावों का वैश्वीकरण के



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस दौर में भारत पर भी प्रभाव पड़ा है। आज भारत की अर्थव्यवस्था दोहरा तुलन पत्र संलक्षण (ट्विन बैलेंस शीट सिंड्रोम) की समस्या से जूझ रही है।

इस क्रम में सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि ट्विन बैलेंसशीट सिंड्रोम का क्या अभिप्राय होता है? यदि शाब्दिक अर्थों के रूप में देखें तो ट्विन अर्थात साथ-साथ अथवा जुड़े हुए तथा बैलेंसशीट का तात्पर्य किसी कम्पनी अथवा वित्तीय संस्थान के परिसम्पत्तियों एवं देनदारियों का विवरण होता है। सिंड्रोम का अर्थ कई लक्षणों का समूह होता है।

इस प्रकार ट्विन बैलेंसशीट सिंड्रोम भारतीय अर्थव्यवस्था की वह समस्या है जिसमें एक ओर भारतीय बैंकों के पास पर्याप्त धन नहीं है जिससे कि वे कम्पनियों एवं बड़े ग्राहकों को ऋण उपलब्ध करा सकें, तो वहीं दूसरी ओर बड़ी कम्पनियाँ भी

दोहरा तुलन पत्र संलक्षण की उत्पत्ति की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करें।



दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बैंकों द्वारा लिये गये ऋणों को चुकाने में असक्षम हैं।

चूंकि बैंकों द्वारा दिये गये ऋणों के ब्याज एवं मूलधन की प्राप्ति यथोचित समय पर नहीं हो रही है, इसलिए इनके गैर सम्पादित परिसम्पत्तियों (एन.पी.ए.) में बढ़ोत्तरी हो रही है। गौरतलब है कि यदि किसी दिये गये ऋण पर 90 दिन से अधिक अवधि तक ब्याज एवं मूलधन की प्राप्ति न होने उसे एन.पी.ए. की श्रेणी में डाल देते है।

एन.पी.ए. बढ़ने से बैंकों का लाभ प्रभावित होता है। उन्हें एन.पी.ए. के लिए अपने लाभ के नियमानुसार प्रतिशत को आरक्षित रखना पड़ता है। इससे उनकी परिसम्पत्तियों का क्षय होता है जब कि देनदारियाँ जस की तस बनी रहती है। इससे उनके बैलेंसशीट पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वे पुनः बड़े ऋणधारकों को ऋण देने में अक्षम हो जाती है। एक अनुमान के अनुसार


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सार्वजनिक एवं निजी बैंकों का लगभग 12 लाख करोड़ रुपये का ऋण एन.पी.ए है।

इसी प्रकार यदि कम्पनियों की बात करे तो विभिन्न आर्थिक परिस्थितियों, नियामकीय परिवर्तनों एवं आधारभूत संरचना से सम्बन्धित अड़चनों के चलते बड़ी कम्पनियों का अपने व्यापार पर नियन्त्रण कम हुआ। फलतः वे बैंकों से लिये गये ऋणों को देने में सक्षम नही हो पा रहे हैं। उनकी देनदारियाँ अत्यधिक बढ़ गई है परन्तु उनकी परिसम्पत्तियाँ इसकी तुलना में कम है। अतः यहाँ भी बैलेंसशीट पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इस प्रकार बैंकों एवं कम्पनियों दोनों के ही परिसम्पत्तियों एवं देनदारियों में उत्पन्न यह नकारात्मक प्रभाव ही आर्थिक सर्वेक्षण 2016 के द्वारा ट्विन बैलेंसशीट समस्या के रूप में दर्शाया गया है।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस समस्या के कारणों की पड़ताल करें तो कई आर्थिक एवं नियामकीय तथ्य उभरते हैं। मुख्य रूप से स्टील, कोयला एवं आधारभूत संरचना से सम्बन्धित क्षेत्रकों की कम्पनियों के ऋण ही एन.पी.ए. का प्रमुख भाग है।

इस समस्या के अन्य कारणों को भी लिखें।

परियोजनाओं की बढ़ती लागत, पर्यावरणीय मंजूरी मिलने में होने वाली देरी, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मांग की कमी, राष्ट्रों के बीच बढ़ता आर्थिकसंरक्षणवाद एवं समग्र रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण बड़ी कम्पनियों द्वारा अपने ऋण को समय पर नहीं लौटाया जा सका है।

इसी प्रकार बैंकों द्वारा समुचित जाँच-पड़ताल के बिना बड़ी कम्पनियों को बार-बार दिया गया ऋण, कई अवसरों पर बैंक अधिकारियों एवं उद्यमियों की मिली भगत तथा जानबूझ कर ऋण न वापस करने की डिफाल्टर प्रवृत्ति उदाहरणस्वरूप- विजय माल्या का केस, जैसे


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बैंकिंग कारण भी इस स्थिति के लिए उत्तरदायी रहे हैं।

इस समस्या से देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। जहाँ एक ओर बैंकों का क्रेडिट ग्रोथ लगातार गिर रहा है जिससे उनका लाभ नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है, तो वहीं नये उद्योगों को ऋण ही नहीं मिल पा रहा है।

इससे आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं गिरती इंडेक्स आफ इण्डस्ट्रियल प्रोडक्शन (आई. आई. पी.), मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्शन इंडेक्स (एम. पी. आई) इस स्थिति का द्योतक है।

अर्थव्यवस्था में निवेश अत्यधिक कम हो गया है। निजी क्षेत्र का निवेश लगभग रुक गया है जो किसी भी देश की आर्थिक स्थिति के लिए चिंता का विषय है।

निवेश के कम होने से बचत दर प्रभावित हो

इस समस्या के बाद भी भारत कैसे तीव्र वृद्धि दर पाने में सफल रहा? स्पष्ट चर्चा करें।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हो रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो पहले से कम सृजित हो रहे रोजगार के अवसरों का अकाल हो जायेगा। यह गरीबी, बेरोजगारी तथा आय वितरण की असमानता को उत्तरोत्तर बढ़ायेगा।

ज्ञातव्य है कि पिछले कुछ समय से हमारी जी.डी.पी. वृद्धि दर लगातार गिर रही है। हाल के आंकड़े इसे (5.7%) (अंतिम क्वार्टर) तक व्यक्त करते हैं। यद्यपि इसमें विमुद्रीकरण एवं जी.एस.टी की शुरुआती प्रभावों की भी भूमिका मानी जा रही है परन्तु सम्पूर्ण रूप से यह अर्थव्यवस्था की आशावान तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता है।

भारत में चल रहे यह-यह कितना धारणीय है स्पष्ट उल्लेख करें।

आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने से सरकार अपने सामाजिक विकास एवं कल्याणकारी कार्यों के लिए आवश्यक धन उपलब्ध नहीं करा पायेगी जिससे कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, पेयजल


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आधारभूत संरचना में कम निवेश भारत के मानव विकास सूचकांक के विकास की राह का रोड़ा बन सकता है।

इसके साथ ही भारत के पिछड़े क्षेत्रों के विकास एवं समावेशिता के प्रयासों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इस समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा अनेक कदम उठाये गये है। बैंकों की की स्थिति सुधारने के लिए मिशन इन्द्रधनुष के माध्यम से सात स्तरीय कदम उठाये जा रहे है।

एक बैंकिंग ब्यूरो बोर्ड की स्थापना की गयी है। बैंकों को अधिक स्वायत्तता देने, उनके उच्च अधिकारियों के चयन की पद्धति में सुधार लाने जैसे कदम उठाये गये है।

सरकार ने बैंकों के पुनर्वित्तीयकरण का


Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कदम भी उठाया है जिससे कि उनकी वित्तीय स्थिति सुधर सके। रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा बैंकों को उनके करेंट एकाउन्ट एवं सेविंग्स एकाउन्ट के के अनुपात (कासा डिपाजिट) एवं एन.पी.ए. घटाने के सम्बन्ध में सख्त निर्देश जारी किये हैं।

इसके साथ ही बैंको के 'कंसालिडेशन' का कदम भी उठाया जा रहा है जिससे कि बैंकों की कार्यक्षमता बढ़ सके।

अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की दृष्टि से सरकार द्वारा रक्षा, स्पेस एवं रेलवे को छोड़कर सभी क्षेत्रों में एफ.डी.आई. के लिए छूट दे दी है। अनेक नवीन क्षेत्रों यथा फूड प्रोसेसिंग में 100% एफ.डी.आई. की अनुमति दे दी है। अब 90% से अधिक एफ.डी.आई. 'डायरेक्ट रूट' से आ रहा है।

अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार स्वयं

· RERA की स्थापना
· ARCs की स्थापना
· ऋण पुनः रचना (SDR) योजना
· S4A
जैसे अन्य सरकार एवं RBI के प्रयासों को लिखें।



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

निवेश कर रही है। विदेशों से भी मदद ली जा रही है उदा- इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर एवं बुलेट ट्रेन्स के लिए जापान की वित्तीय एवं तकनीकी मदद।

मेक इन इण्डिया, डिजिटल इण्डिया तथा स्टार्ट अप इण्डिया के माध्यम से नवीन रोजगार एवं निवेश की संभावनाओं को बढ़ाया जा रहा है। इसी प्रकार विदेश व्यापार नीति 2015-2020 में मर्चेंडाइज्ड एक्सपोर्ट फ्राम इण्डिया तथा सर्विसेज एक्सपोर्ट फ्राम इण्डिया जैसी योजनाओं के माध्यम से विदेश व्यापार बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

यद्यपि सरकार के सामने अपने वित्तीय घाटे को जी.डी.पी. के 3.2% तक ही रखने की बाध्यता वर्ष 2017 में है, परन्तु यह आवश्यक है कि सरकार अर्थव्यवस्था में आधारभूत संरचना पर निवेश को बढ़ाये।

तथ्यों का जांच कर लें।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस को उत्तरोत्तर


दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समर्थन दें, पर्यावरणीय मानकों का त्वरित एवं सक्षम समाधान करें।

बैंकों के आधारभूत संरचना में निवेश, पुनर्वित्तीयकरण, तकनीकी सक्षमता की संवृद्धि एवं स्वायत्तता जैसे मुद्दों पर गंभीर एवं ठोस कदम उठाये।

अन्य सुझावों को लिखें।

भारतीय अर्थव्यवस्था का सुदृढीकरण ही भारत के समावेशी, सतत एवं संतुलित विकास की पूर्वपीठिका है। बैंकिंग तंत्र एवं औद्योगिक तंत्र अर्थव्यवस्था के 'फ्लेश एंड ब्लड' की तरह है इनका प्रत्येक प्रकार से समुत्थान ही भारत के महाशक्ति बनने के स्वप्न को साकार करेगा।

प्रभावी निष्कर्ष लिखें।

45


दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

## खण्ड–B / SECTION –B

1. सार्वलौकिक आधार आय की परिकल्पना, गांधी जी के बिना कार्य के धन अर्जन के विचार का विरोधाभास है।
   The concept of Universal Basic Income (UBI), contradicts the views of Gandhi ji about wealth without work.
2. युद्ध से बचने के लिये क्या बेहतर है: आक्रामकता या शांति?
   What is better to avoid war: Aggressiveness or peace?
3. ऊर्जा सुरक्षा के लिये भारत को संसाधनों के साथ-साथ स्रोतों में भी विविधता लाने की आवश्यकता है।
   For Energy Security India needs to diversify resources as well as sources.
4. बुजुर्गों का हाथ थामना: अभी या कभी नहीं।
   Hand holding the elderly: Now or Never.

"यदि आप किसी व्यक्ति की एक दिन की भूख मिटाना चाहते हो तो उसे एक कटोरा चावल दे दो, यदि आप उसका पेट जीवन भर के लिए भरना चाहते हो तो उसे चावल उगाना सिखाओ।"

- एक चीनी कहावत

उपरोक्त चीनी कहावत आर्थिक सर्वेक्षण 2017 द्वारा प्रस्तुत यूनिवर्सल बेसिक इनकम (सार्वभौमिक आधारभूत आय) की अवधारणा


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के संदर्भ में समीचीन हो उठता है। इस अवधारणा के तहत देश की सम्पूर्ण आबादी को एक निश्चित आधारभूत आय प्रदान करने का जिक्र किया गया है।

अवधारणा में महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि यह आय बिना किसी भेदभाव के, बदले में कोई कार्य किये बिना सभी को उपलब्ध होगी। इसमें इस तथ्य पर भी बल दिया गया है कि वर्तमान में सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाओं पर जो धन खर्च करती है, उसके स्थान पर यह आधारभूत आय को अपनाया जा सकता है।

इस सम्बन्ध में भी विद्वानों में मतभेद है जहाँ कुछ विद्वानों की यह मान्यता है कि यू.बी.आई. को अन्य कल्याणकारी योजनाओं के

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साथ ही प्रदान किया जाना चाहिए तो वही प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डा. सी. रंगराजन का मानना है कि सरकार के पास यू.बी.आई. एवं कल्याणकारी योजनाओं दोनों को साथ-साथ चलाने के लिए संसाधन उपलब्ध नहीं हैं

यहाँ एक तथ्य यह प्रमुख है कि विश्व में केवल फिनलैण्ड ही ऐसा देश है जहाँ यू.बी.आई को हाल ही में लागू किया गया है। अन्य यूरोपीय तथा एशियाई देश कल्याणकारी कार्यक्रमों की पद्धति पर ही कार्य कर रहे हैं।

अब यहाँ एक प्रमुख प्रश्न यह उठता है कि भारत की 125 करोड़ आबादी को बिना किसी कार्य किये बिना एक निश्चित आधारभूत आय प्रदान करना कहाँ तक जायज है?

महात्मा गाँधी ने अपने सात पापों की



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अवधारणा में वेल्थ विदआउट वर्क अर्थात बिना कार्य के धनार्जन को एक पाप माना है। उनका मानना था कि सभी मनुष्यों के कार्य बराबर होते है एवं बिना कार्य किये किसी व्यक्ति को एक समय का भोजन तक न करना चाहिए। वे श्रम की महत्ता के प्रभावी पैरोकार रहे है।

ऐसे में बिना किसी श्रम के सभी को बिना किसी भेदभाव के एक निश्चित आय उपलब्ध कराना श्रम के महत्व का मखौल उड़ता प्रतीत होता है।

अतः इस सम्बन्ध में यह विश्लेषण करना आवश्यक हो जाता है कि आखिर आधारभूत आय की अवधारणा के पीछे कौन से कारक उत्तरदायी है?

UBI किस प्रकार गांधी जी के विचारों का विरोधाभास है और स्पष्ट चर्चा करें।



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक सर्वेक्षण के तर्कों पर गौर करे तो यह उभरकर आता कि भारत सरकार अपने कल्याणकारी योजनाओं पर भारी मद व्यय करती है। इन योजनाओं में लाभार्थियों के सही पहचान, लीकेज, भ्रष्टाचार, कालाबाजारी जैसी समस्याएँ उभर कर आती है। ऐसे में सरकार के प्रयास निरर्थक बन जाते है।

UBI के लाभों को स्पष्ट चर्चा करें।

यदि इसी धन का उपयोग यू.बी.आई. प्रदान करने के लिए किया जाये तो सभी को चुनने का अधिकार प्राप्त होगा कि वे प्राप्त धन का उपयोग किस प्रकार और कहाँ पर करना चाहते हैं।

इसके साथ ही कल्याणकारी योजनाओं की तरह बंदरबाट, भ्रष्टाचार, लीकेज से छुटकारा मिल सकता है।

परन्तु भारत जैसी भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक विभिन्नताओं के देश में सभी को यू.बी.आई


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रदान कर, अन्य कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने का प्रयास व्यवहार में अनुकरणीय प्रतीत नहीं होता है।

इसके साथ ही यू.बी.आई. के अन्य सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिणाम भी निहित हैं।

बिना किसी कार्य के मुफ्त में आय मिलने पर सामाजिक जड़ता एवं आलस्य में वृद्धि इसका सबसे प्रमुख तर्क है। भारतीय समाज की आलसी प्रवृत्ति के बारे में प्रसिद्ध भी है कि -

"अजगर करै न चाकरी, पंछी करै न काम
दास मलूका कह गये सबके दाता राम।"

यह उन व्यक्तियों को भी निरुत्साहित करेगा जो कि अपने उद्यम के माध्यम से अपनी आजीविका को प्राप्त करने का प्रयत्न करते का


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रयत्न करते हैं।

यू.बी.आई. के आर्थिक प्रभावों के रूप में सरकार के अनुत्पादक खर्चों में वृद्धि फलतः वित्तीय घाटा एवं राजकोषीय घाटा में वृद्धि तथा देश के संसाधनों पर अनुचित दबाव के रूप में देखा जा सकता है।

एक बार लागू होने के बाद इसके राजनीतिक दुरूपयोग एवं राजनीतिक अवसरवादिता तथा महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने की दृष्टि से, लोकलुभावन कदमों की दृष्टि से निरन्तर वृद्धि की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनावों में मुफ्त बाँटे जाने वाले सामानों की बढ़ती प्रवृत्ति से इस तथ्य को समझा जा सकता है।

अन्य चुनौतियों को भी लिखें।

यह भारत के सांस्कृतिक मानकों यथा वीरभोग्या वसुन्धरा के मानकों को तुलसीदास


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

के "सकल पदारथ है जग माही
कर्महीन नर पावत नाही।" की
उक्ति को चरितार्थ करने का संशय उत्पन्न कर सकता है।

उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि यू.बी.आई. के लाभ, वर्तमान परिस्थितियों में इसके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक अपव्ययों से कम है।

अत: आवश्यक है भारत के मानव को, मानव संसाधन में बदलने के प्रयासों को बल दिया जाये।

जनकल्याणकारी योजनाओं यथा जनवितरण प्रणाली में तकनीकों का प्रयोग कर भ्रष्टाचार को खत्म किया जाये। जैम त्रिमिटी अर्थात जनधन-आधार-मोबाईल का प्रयोग कर



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वित्तीय समावेशन एवं लीकेज को नियन्त्रित किया जाये।

सामाजिक आर्थिक जनगणना के आँकड़ों को आधार बनाकर विभिन्न आय वर्ग के व्यक्तियों को "विभेदक लाभ" प्रदान किये जाये। इसके आधार पर सही लाभार्थियों की पहचान की जाये।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मातृत्व लाभ योजना इत्यादि के माध्यम से आधारभूत संरचना एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर बल दिया जाये। शिक्षा को रोजगार से जोड़कर रोजगार के नये अवसर उत्पन्न किये जाये।

प्रधानमंत्री कौशल भारत मिशन का समुचित क्रियान्वयन कर कौशल विकास की दर को बढ़ाया जाये। समग्रतः स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के अवसरों के निवेश को बढ़ाया जावे जिससे कि भारत का

UBI की सफलता सुनिश्चित करने हेतु उपायों की स्पष्ट चर्चा करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानव विकास उत्तरोत्तर प्रगति करे।

कहा जाता है कि भारत एक अमीर देश है जहाँ गरीब रहते हैं। यदि भारत को अपने जनांकिकीय लाभांश का समुचित लाभ उठाना है तो उसका मार्ग देश के मानव संसाधन की कुशलता में वृद्धि से होकर जाता है।

आधारभूत आय कुछ निश्चित क्षेत्रों एवं वर्गों में तो लाभकारी हो सकती है परन्तु सम्पूर्ण देश के लिए यह संसाधनों का अपव्यय ही होगा। भारत को 21वी सदी की महाशक्ति बनने के लिए अपने नागरिकों को मानव संसाधन में बदलने का प्रयास ही फलदायी होगा।

43

निबंध को और प्रभावी लिखें।


Copyright – Drishti The Vision Foundation